अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वविद्या – 50

प्र.1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 15

(क) आठ कर्मों में एकान्त अशुभ कर्म कौन–कौन से हैं? (ख) जीव के दो प्रकार कौन से हैं?

(ग) लेश्या का क्या अर्थ है? (घ) इन्द्रिय पर्याप्ति का सम्बन्ध किस–किस प्राण के साथ है?

(ङ) अरूपी अजीव तत्त्व के प्रकार बतायें? (च) आश्रव किसे कहते हैं?

(छ) मुक्त होने के चार हेतुओं का उल्लेख करें? (ज) प्रहर किसे कहा जाता है?

(झ) तीर्थंकरों के प्रवचन अर्थागम क्यों कहलाते हैं?

(ञ) सामान्य गुण के छह प्रकारों के नाम बतायें (ट) हास्य के प्रकारों का नाम बतायें?

(ठ) वेद का अस्तित्व कौन से गुणस्थान तक है?

(ड) अठारह पाप में प्राणातिपात पाप का अर्थ बतायें?

(ढ) एकेन्द्रिय के चार भेदों के नाम बतायें? (ण) मिथ्याश्रुत किसे कहते हैं?

(त) आठ कर्मों में बन्धन कारक कर्म कौन–कौन से हैं?

(थ) संयमा संयमी के मरण को क्या कहा जाता है?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) जन्म के प्रकारों के बारे में बताऐं?

(ख) बंध के दो प्रकार के विषय में बतायें?

(ग) जीव के चौदह भेद कौन–कौन से हैं और उनके वर्गीकरण का आधार क्या है, स्पष्ट करें?

(घ) औत्पत्तिकी बुद्धि किसे कहते हैं, उदाहरण से बतायें?

(ड.) व्यवहार का अर्थ बताते हुए, व्यवहार राशि के बारे में समझायें?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें – 20

(क) नय के सात प्रकारों के बारे में विस्तार से व्याख्या करें?

(ख) पर्युपासना के लाभ के बारे में विस्तार से उल्लेख करें।

(ग) संहनन के प्रकारों को विस्तार से उल्लेख करते हुए बताऐं कि अस्थि रचना का साधना और स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से कैसे महत्त्व है?

(घ) भाव किसे कहते हैं? भाव के प्रकारों के बारे में बतायें।

तत्त्वचर्चा – 30

प्र.4 किन्हीं पंद्रह प्रश्नों का उत्तर दें – 15

(क) सिद्ध भगवान संज्ञी या असंज्ञी? (ख) घोड़ा सूक्ष्म या बादर?

(ग) श्रावक में आत्मा कितनी? (घ) धर्म और धर्मास्तिकाय एक या दो?

(ड.) पाप धर्म या अधर्म? (च) निरवद्य जीव या अजीव? (छ) सामायिक रूपी या अरूपी?

(ज) धर्म पुण्य या पाप? (झ) पुण्य और पुण्यवान एक या दो?

(ञ) पात्र छह में कौन? नौ में कौन? (ट) जीव हेय या उपादेय?

(ठ) पुण्य, पाप आज्ञा में या आज्ञा के बाहर? (ड) बंध जीव या अजीव?

(ढ़) आश्रव छह में कौन? नौ में कौन? (ण) आकाशास्तिकाय सावद्य या निरवद्य?

(त) काल छह में कौन? नौ में कौन? (थ) बारह व्रत छह में कौन? नौ में कौन?

प्र.5 कोई तीन चर्चा लिखें – 15

(क) सावद्य पर चर्चा। (ख) अधर्म पर चर्चा। (ग) नौ तत्त्व पर जीव–अजीव।

(घ) छह द्रव्य पर चर्चा। (ड.) कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व की चर्चा।

गीतिका – 20 (प्राणी समकित किण विध आई रे व दृढ़ समकित घर थोड़ला)

प्र.6 कोई तीन प्रश्न का उत्तर दें व पद्य भी लिखें? – 10

(क) भगवान ने सूत्र में किसे दुर्लभ बताया है?

(ख) संक्षेप व विस्तार नय की दृष्टि से द्रव्य एंव तत्त्व कितने होते हैं?

(ग) ''दृढ़ समकित घर थोड़ला'' गीतिका के आधार पर कौन सा व्यक्ति कर्मों से अधिक भारी हो जाता है।

(घ) धर्म का अंश कहाँ नहीं है? (ड़) किनका जीवन धन्य है?

प्र.7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 10

(क) 'देव, गुरु, मिश्र .....' (ख) 'सबनै लब्धि.....जमात'

(ग) 'न्याय री.....चतुराई रे' (घ) 'द्रव्य, खेतर.....पाई रे'